राव बहादुर का रहस्यमयी टीजर जारी

सत्यदेव के दमदार अवतार ने बढ़ाई उत्सुकता

अभिनेता सत्यदेव अभिनीत आगामी फिल्म राव बहादुर का नया टीजर जारी कर दिया गया है. निर्देशक वेंकटेश महा की इस फिल्म के टीजर ने अपनी रहस्यमयी कहानी, भव्य प्रस्तुति और मनोवैज्ञानिक ड्रामा की झलक से दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है. फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

फिल्म के शानदार फर्स्ट लुक और पहले गीत 'ओ सुंदरी' को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद निर्माताओं ने 'जस्ट अ टीजर' शीर्षक से इसकी नई झलक जारी की है. टीजर में सत्यदेव बहादुर राजकुमार के किरदार में नजर आ रहे हैं. फोबिया, भ्रम, मतिभ्रम और रहस्य से भरपूर यह टीजर दर्शकों को एक अलग और अनोखी दुनिया की झलक दिखाता है. टीजर में ऐसी कहानी का संकेत मिलता है, जिसमें मुख्य किरदार किसी अदृश्य भय और मानसिक संघर्ष से जूझता नजर आता है. फिल्म में संदेह को सबसे बड़ा 'भूत' बताया गया है, जो कहानी को एक मनोवैज्ञानिक और रहस्यपूर्ण आयाम देता है. फिल्म का विजुअल कैनवास भव्य, आकर्षक और प्रभावशाली दिखाई देता है, जबकि सत्यदेव का बदला हुआ अंदाज भी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है. फिल्म के प्रस्तुतकर्ता महेश बाबू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टीजर साझा करते हुए लिखा, याद रखिए... यह सिर्फ एक टीजर है. 'राव बहादुर' के इस असाधारण विजन को पर्दे पर उतारने के लिए मुझे इस पूरी टीम पर गर्व है. यह फिल्म तीन जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है. फिल्म का पहला गीत 'ओ सुंदरी' पहले ही लोकप्रिय हो चुका है. सत्यदेव और दीपा थॉमस पर फिल्माया गया यह रोमांटिक गीत अपनी मधुर धुन, पीरियड सेटिंग और भव्य दृश्यांकन के कारण दर्शकों की पसंद बन गया है. गीत फिल्म की कहानी के भावनात्मक और रोमांटिक पक्ष की झलक भी प्रस्तुत करता है. राव बहादुर' एक ऐसी कहानी है, जिसमें मनोवैज्ञानिक ड्रामा को शाही अतीत की धुंधली यादों और रहस्य के साथ जोड़ा गया है. वेंकटेश महा ने फिल्म का लेखन, निर्देशन और संपादन किया है.

नेटफ्लिक्स का सबसे बड़ा कैप्टिव रियलिटी धमाका

रितेश देशमुख और फराह खान बने हैं जेलर, और उनकी कंट्रोल्ड एवं हाई-प्रेशर जेल में बंद हैं 14 जानी- मानी हस्तियाँ. देखिए लॉक अप: सच या सजा, एक ऐसे कैप्टिव रियलिटी शो का सिलसिला, जो इससे पहले भारतीय रियलिटी एंटरटेनमेंट में कभी नहीं देखा गया है. बाहरी दुनिया से बिल्कुल कटे हुए, हर ऐशो-आराम से दूर और लगातार चुनौतीपूर्ण होते टास्कों के बीच इन मशहूर लोगों को लगातार अपने साथियों को बदलते हुए और मुश्किल फैसले करते हुए आगे बढ़ते रहना होगा. उनका हर कदम रातों-रात हालात को बदल देगा.छः हफ्ते तक चलने वाले इस ड्रामा में हर रोज अलग-अलग टास्क होंगे, स्टेटस के पायदान होंगे, चार्जशीट लाई जाएगी, सजाएं दी जाएंगी, और टर्मिनेट किया जाएगा. पूरे सफर में उनकी क्षमता और बचे रहने की इच्छा की कड़ी परीक्षा होगी.

निर्देशकों की पहली पसंद बनीं कियारा

बॉलीवुड में पूरे किए 12 साल

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने हिंदी फिल्म उद्योग में अपने 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं. फिल्म फगली से बॉलीवुड में कदम रखने वाली कियारा आज अपनी पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं.

कियारा ने अपने करियर में रोमांटिक ड्रामा, व्यावसायिक मनोरंजक फिल्मों और भावनात्मक किरदारों सहित विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाकर दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया है. बॉक्स ऑफिस पर सफलता के साथ-साथ उन्होंने एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में पहचान बनाई है, जिस पर फिल्म निर्माता और निर्देशक पूरा भरोसा जताते हैं. फिल्म लस्ट स्टोरीज़ के निर्देशक करण जौहर ने कियारा की अभिनय क्षमता की सराहना करते हुए कहा था कि कैमरे के सामने वह जीवंत हो उठती हैं और भावनात्मक दृश्यों को बेहद सहजता से निभाती हैं. वहीं गिल्टी की निर्देशक रुचि नारायण ने उनकी संवेदनशीलता और किरदार की बारीकियों को समझने की क्षमता की प्रशंसा की थी. फिल्म शेरशाह के निर्देशक विष्णुवर्धन का मानना है कि कियारा अपने अभिनय से दृश्यों को लिखी गई पटकथा से भी आगे ले जाती हैं. वहीं कबीर सिंह के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कम संवादों और संयमित अभिनय के माध्यम से गहरी भावनाएं व्यक्त करने की उनकी क्षमता की सराहना की है. कियारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक: बड़ों के लिए एक परीकथा को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने हाल ही में कहा कि इस भूमिका के लिए कियारा उनकी पहली और एकमात्र पसंद थीं.

जोधपुर में कंगना का दिखा शाही अंदाज

लाल साड़ी में कंगना ने लूटी महफिल

अपने बेबाक अंदाज और दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली कंगना रनौत इन दिनों राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय नजर आ रही हैं. इसी क्रम में वह 11 जून को राजस्थान के जोधपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने ऐतिहासिक मेहरानगढ़ किले में स्थित मां चामुंडा देवी मंदिर के दर्शन किए. इस दौरान कंगना का पारंपरिक भारतीय परिधान लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा. लाल रंग की खूबसूरत साड़ी, हल्के आभूषण और सादगी से भरे मेकअप में कंगना बेहद आकर्षक दिखाई दीं. मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और उनके प्रशंसकों ने अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में कंगना पूरी श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना करती नजर आ रही हैं.

मंदिर दर्शन के बाद कंगना ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मां चामुंडा का आशीर्वाद लिया है. उन्होंने देश की समृद्धि, विकास और नागरिकों के कल्याण की कामना की. इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और सफल नेतृत्व के लिए भी विशेष प्रार्थना की.

कंगना रनौत अक्सर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करती रही हैं. विभिन्न धार्मिक स्थलों पर उनकी मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई हैं. जोधपुर दौरे के दौरान भी उनका यही रूप देखने को मिला. फिल्मी करियर से लेकर राजनीति तक, कंगना हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं. उनकी तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस ने उनकी खूब तारीफ की. कई यूजर्स ने उनके पारंपरिक लुक को 'रॉयल' और 'महारानी जैसा' बताया. वहीं कुछ लोगों ने उनकी सादगी और धार्मिक आस्था की सराहना की.

रणबीर की पहली कमाई ने जीता दिल

मां के लिए खास था रणबीर का पहला चेक

रणबीर कपूर का नाम आज बॉलीवुड के सबसे प्रतिभाशाली और लोकप्रिय सितारों में शामिल है. कपूर खानदान से ताल्लुक रखने के बावजूद उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत की और अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई. हालांकि, सफलता की इस ऊंचाई तक पहुंचने का उनका सफर भी कई यादगार अनुभवों से भरा रहा है.

हाल ही में एक बातचीत के दौरान रणबीर कपूर ने अपनी पहली सैलरी से जुड़ा एक दिलचस्प और भावुक किस्सा साझा किया. उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले उन्होंने अपने पिता ऋषि कपूर की फिल्म 'प्रेम ग्रंथ' में बतौर असिस्टेंट काम किया था. इसी काम के लिए उन्हें पहली बार 250 रुपए का चेक मिला था. रणबीर ने कहा कि उस समय यह रकम उनके लिए बेहद खास थी. उन्होंने चेक को संभालकर रखा और घर पहुंचते ही उसे अपनी मां नीतू कपूर के पैरों में रख दिया. बेटे के इस सम्मान और प्यार को देखकर नीतू कपूर भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े. रणबीर के मुताबिक, वह पल उनके जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक है. यह घटना बताती है कि स्टारडम और सफलता के बावजूद रणबीर अपने परिवार और संस्कारों को कितना महत्व देते हैं. यही वजह है कि फैंस उन्हें सिर्फ एक शानदार अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार बेटे और अच्छे इंसान के रूप में भी पसंद करते हैं.

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर लगातार कई बड़े प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं. उनकी फिल्मों को लेकर दर्शकों में हमेशा उत्साह बना रहता है.

महिला सशक्तिकरण पर खुलकर बोलीं प्रिया ठाकुर

वसुधा जल्द ही दर्शकों के सामने वसुधा के सफर का एक प्रेरणादायक नया अध्याय लेकर आने वाला है. इस नए ट्रैक में वसुधा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाती नजर आएगी. अपनी सादगी और मजबूत इरादों के लिए पहचानी जाने वाली वसुधा, यानी प्रिया ठाकुर, अब अपनी पहचान बनाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए घर के बने अचार का कारोबार शुरू करने का फैसला करती है. यह प्रेरणादायक ट्रैक महिलाओं के आर्थिक रूप से मजबूत बनने और अपने फैसले खुद लेने के आत्मविश्वास के महत्व को खूबसूरती से सामने लाता है.

कहानी के इस प्रेरणादायक मोड़ पर बात करते हुए वसुधा का किरदार निभा रहीं प्रिया ठाकुर कहती हैं, 'मुझे इस ट्रैक की सबसे खास बात यह लगती है कि यह बहुत खूबसूरती से दिखाता है कि असली आजादी तब शुरू होती है, जब एक महिला खुद पर और अपनी काबिलियत पर भरोसा करना शुरू करती है. वसुधा का अचार का कारोबार शुरू करने का फैसला भले ही एक छोटा कदम लगे, लेकिन इसके पीछे बहुत बड़ा मकसद है. वह अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना चाहती है. आज के दौर में आर्थिक आत्मनिर्भरता सिर्फ पैसे कमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने फैसले खुद लेने का आत्मविश्वास, खुद का सहारा बनने की ताकत और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने की आजादी भी देती है. मैं खुद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं.

टेलीविजन

यादें में रिश्तों को नया अंदाज देते अर्जुन

सोनी सब के लोकप्रिय शो 'यादें' में डिग्गी का किरदार निभा रहे अभिनेता अर्जुन पुंज का कहना है कि इस धारावाहिक की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऐसी कहानियां हैं, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ पाते हैं और जिनमें एक नया एवं ताज़गी भरा ट्विस्ट भी देखने को मिलता है.ह्यूमर, भावनाओं और रोजमर्रा की जिंदगी के मेल से सजा 'यादें' लगातार ऐसी कहानियां पेश कर रहा है, जिन पर दर्शक मुस्कुरा सकें. शो में अर्जुन पुंज द्वारा निभाया जा रहा डिग्गी का किरदार डॉ. सृष्टि की जिंदगी में अहम भूमिका निभाता नजर आ रहा है.

अर्जुन पुंज ने कहा, 'सोनी सब का 'यादें' दर्शकों के लिए हमेशा रिलेटेबल रहता है और साथ ही एक ताज़गी भरा ट्विस्ट भी जोड़ता है. यही बात इसे खास बनाती है. अपने किरदार के बारे में अर्जुन ने कहा कि डिग्गी एक शांत, संतुलित और परिपक्व व्यक्ति है, जो कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोता. उन्होंने कहा कि डिग्गी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह किसी भी विवाद या भावनात्मक स्थिति को समझदारी और संतुलन के साथ संभालता है तथा लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेने की सलाह देता है.

उन्होंने बताया कि डिग्गी की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित दृष्टिकोण है. वह हर स्थिति को सभी पक्षों से समझने का प्रयास करता है और सहानुभूति तथा तर्क के साथ आगे बढ़ता है. यही गुण उसे अन्य किरदारों से अलग बनाते हैं. शो में अपने पसंदीदा दृश्य का जिक्र करते हुए अर्जुन ने कहा कि उनका सबसे पसंदीदा क्षण वह पहला दृश्य है, जिसे उन्होंने शो के लिए शूट किया था. इस दृश्य में डिग्गी ने तनावपूर्ण माहौल को अपने हास्य और समझदारी से सहज बना दिया था. उनके अनुसार, यही दृश्य डिग्गी के व्यक्तित्व को सबसे बेहतर ढंग से दर्शाता है.

एम्स ने निकाली 1400 से ज्यादा वैकेंसी

ग्रुप-बी और ग्रुप-सी पदों के लिए 3 जुलाई तक करें आवेदन

देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में नौकरी करने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने बड़ा भर्ती अभियान शुरू किया है. एम्स दिल्ली की ओर से जारी कॉमन रिक्रूटमेंट एग्जामिनेशन 2026 के नोटिफिकेशन के तहत कुल 1484 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी. यह भर्ती देशभर के विभिन्न एम्स अस्पतालों और संबद्ध स्वास्थ्य संस्थानों में ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के नॉन-फैकल्टी पदों के लिए आयोजित की जा रही है.

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 3 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंप्यूटर आधारित परीक्षा 25 जुलाई से 27 जुलाई 2026 के बीच आयोजित होगी. परीक्षा की तारीख नजदीक होने के कारण अभ्यर्थियों के पास तैयारी के लिए सीमित समय बचा है. भर्ती अभियान के अंतर्गत असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, एलडीसी, यूडीसी, जूनियर इंजीनियर, फार्मासिस्ट, स्टोर कीपर, कैशियर, लाइब्रेरियन, मेडिकल रिकॉर्ड ऑफिसर, ड्राइवर, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, योगा इंस्ट्रक्टर, रिसर्च असिस्टेंट, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर और कई तकनीकी पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. इससे विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को आवेदन का अवसर मिलेगा.

आवेदन शुल्क सामान्य और ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 3000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को 2400 रुपये शुल्क देना होगा. दिव्यांग उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई है.

यूपीएससी पास हुए बिना भी पूरा हो सकता है आईपीएस का सपना

राज्य सेवा के अधिकारियों को मिलता है प्रमोशन का मौका

भारतीय पुलिस सेवा देश की कानून-व्यवस्था संभालने वाली सबसे महत्वपूर्ण अखिल भारतीय सेवाओं में शामिल है. जिले में पुलिस अधीक्षक या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जैसे पदों पर तैनात आईपीएस अधिकारी अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियों का नेतृत्व करते हैं. यही वजह है कि लाखों युवा इस प्रतिष्ठित सेवा का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं.

अधिकांश आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होती है. यह परीक्षा तीन चरणों प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में आयोजित की जाती है. सफल उम्मीदवारों को रैंक और प्राथमिकता के आधार पर आईएएस, आईपीएस,

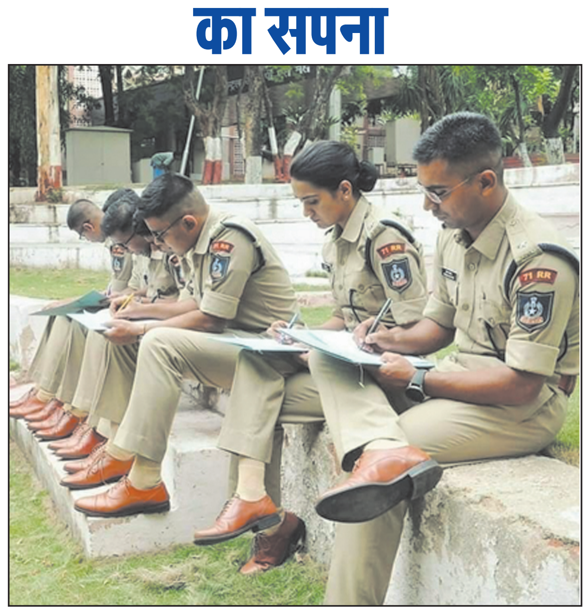

आईएफएस और अन्य सेवाएं आवंटित की जाती हैं. चयन के बाद अधिकारियों को मसूरी स्थित अकादमी और फिर हैदराबाद में विशेष पुलिस प्रशिक्षण दिया जाता है.

हालांकि, आईपीएस बनने का यह एकमात्र रास्ता नहीं है. राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करके राज्य पुलिस सेवा में डिप्टी एसपी या समकक्ष पद पर नियुक्ति प्राप्त करने वाले अधिकारी भी बाद में प्रमोशन के जरिए आईपीएस कैडर हासिल कर सकते हैं. इसके लिए अधिकारी का सेवा रिकॉर्ड उत्कृष्ट होना चाहिए और निर्धारित पात्रता अवधि पूरी करनी होती है. प्रमोशन प्रक्रिया के तहत केंद्र सरकार पहले आईपीएस के प्रमोशन कोटे की रिक्तियां निर्धारित करती है. इसके बाद राज्य सरकार योग्य अधिकारियों के नाम संघ लोक सेवा आयोग को भेजती है. एक संयुक्त चयन समिति अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट सेवा उपलब्धियों और वरिष्ठता का मूल्यांकन करती है. चयन सूची तैयार होने के बाद केंद्र सरकार अंतिम मंजूरी देती है और चयनित अधिकारियों को IPS कैडर प्रदान किया जाता है.

बिजली विभाग, एम्स और यूपी में निकली बंपर वैकेंसी

10वीं से ग्रेजुएट्स तक के लिए 22,000 सरकारी नौकरियां

देशभर में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर सामने आए हैं. विभिन्न राज्यों और केंद्रीय संस्थानों द्वारा जारी भर्ती अधिसूचनाओं के अनुसार इस समय 22,900 से अधिक रिक्त पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इन भर्तियों में 10वीं पास से लेकर स्नातक और तकनीकी योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. सबसे बड़ी भर्ती गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से निकाली गई है. विभाग ने कंडक्टर और ड्राइवर के कुल 8,917 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. इनमें 4,318 पद कंडक्टर और 4,599 पद ड्राइवर के लिए निर्धारित किए गए हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई 2026 है और पात्र उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

वहीं पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट लाइनमैन के 6,289 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है. इस पद के लिए 10वीं पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 6 जुलाई 2026 तय की गई है. स्वास्थ्य क्षेत्र में नौकरी की इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए एम्स दिल्ली ने कॉमन रिक्रूटमेंट एग्जाम के तहत 1,484 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है. इन पदों में ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के कई तकनीकी एवं प्रशासनिक पद शामिल हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने सीनियर और बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के 3,951 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं.

30 मंत्रालयों में 538 सरकारी नौकरियां

संघ लोक सेवा आयोग ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़े भर्ती अभियान की घोषणा करते हुए विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में कुल 538 रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. ये नियुक्तियां 30 से अधिक सरकारी संस्थानों और विभागों में की जाएंगी. सभी पद स्थायी प्रकृति के हैं और इनमें राजपत्रित तथा गैर-मंत्रालयी दोनों श्रेणियों की नौकरियां शामिल हैं.

इस भर्ती अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता है. इसमें नागरिक उड्डयन, रक्षा, खनन, फोरेंसिक विज्ञान, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, अनुसंधान और कानून जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के पद शामिल किए गए हैं. भर्ती के तहत ऑपरेशंस ऑफिसर, एयर सेफ्टी ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, वैज्ञानिक, अभियोजक, प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्री,

भूवैज्ञानिक और अन्य कई विशेषज्ञ पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. सबसे अधिक 50 रिक्तियां असिस्टेंट डायरेक्टर ग्रेड-2 (इकोनॉमिक इन्वेस्टिगेशन) पद के लिए घोषित की गई हैं. यह पद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय से संबंधित है. इसके अलावा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, खुफिया ब्यूरो, भारतीय खान ब्यूरो और रक्षा संस्थानों में भी बड़ी संख्या में पद उपलब्ध हैं.

योग्यता की बात करें तो विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक मानदंड निर्धारित किए गए हैं. कुछ पदों पर स्नातक डिग्री पर्याप्त है, जबकि अन्य पदों के लिए इंजीनियरिंग, परास्नातक, एलएलबी, एमएससी या पीएचडी जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यता और संबंधित अनुभव आवश्यक है. आयु सीमा भी पद के अनुसार अलग-अलग तय की गई है. अधिकांश पदों के लिए अधिकतम आयु 30 से 35 वर्ष है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह सीमा 40, 45 और 50 वर्ष तक रखी गई है.